## राजस्व विभाग

## युद्ध जागीर

## दिनांक 30 श्रगस्त, 1982

क्रमांक 1231-ज(I)-82/30098.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रीधितयम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के भनुसार सौंपे गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री चन्द्रभान, पुत्र श्री राम करण, गांव बशीरपुर, तहसील नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़, को रबी, 1976 से खरीफ़ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतौं के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1276-ज-(I)-82/30102.— पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रीधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें श्रांज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के श्रनुसार सींपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री चृहड़ सिंह, पुत्र श्री चेत सिंह, गांव फतहपुर, तहसील जगाधरी, जिला श्रम्बाला को रबी, 1976 से खरीफ़, 1979 तक 150 एपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 एपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के प्रतुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1228-ज(I)-82/30118.—श्री बेगा राम, पुत्र श्री हरलाल, गांव बूढवाल, तहसील नारनील, जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 17 जुलाई, 1976 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुरवार श्रीधित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है कीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की घारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के श्रीधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री बेगा राम को मुबलिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की श्रीधसूचना क्रमांक 8930-जे०-एन० III-66/15970, दिनांक 5 जुलाई, 1966, तथा श्रीधसूचना क्रमांक 5041-आर- III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गई थी, श्रीव उसकी विधवा श्रीमती श्रीनारी देवी के नाम रवी, 1977, से खरीक 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्ती के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1303-ज-(I)-82/30301 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधितयम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रिपताया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री मोहिन्द्र सिंह, पुत्र श्री ग्रजैंब सिंह,, गांव बोह, तहसील व जिला प्रकाला को रवी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 हपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 हपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

## दिनांक 6 सितम्बर, 1982

क्रमांक 1255-ज(I)-82/31317.—श्री जुग लाल, पुत्र श्री गोपाल, गांव छितरौली, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 20 फरवरी, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रिष्ठित्यम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का श्रयोग करते हुए श्री जुग लाल को मुब्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे प जाब/हरियाणा सरकार की श्रिष्ठसूचना क्रमांक 15725-जे०-एन०-III-66/18590, दिनांक 29 श्रगस्त, 1966, श्रष्ठसूचना क्रमांक 5041-आर.-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तुबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती राज कौर के नाम खरीफ, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

टी. ग्रार. तुली, ग्रवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।